Part A Introduction				
Program: Degree Course		Class: B.A.	Year: III	Session:2023-2024
Subject: Sociology				
1	Course Code	A3-SOCI2T		
2	Course Title	Sociology of Indian Tribes		
3	Course Type(Core Course/Elective/ Generic Elective/Vocational/ ....)	Minor/Elective		
4	Pre-requisite (if any)	This is an elective course and can be opted by all B.A III students except those who have choose sociology as major subject.		
5	Course Learning out comes (CLO)	Present syllabus introduces the students about different known and unknown part of tribal society - 1. This syllabus will provide the scientific knowledge and demography of tribes and scheduled tribes. 2. Students will be able to understand the socio-cultural specialty of tribal society, their traditional economy and political organization. 3. Study of tribal problems, will be able to develop the feeling of co-existence in students and will turn their thinking more logical and scientific. 4. Study of this paper will help the students to succeed in different competitive examination and interviews. 5. This course will provide students a vast area of job opportunities in the field of government, private, research and NGO's sector etc.		
6	CreditValue	Theory– 6		
7	Total Marks	Max. Marks:30+70	Min. Passing Marks:35	

Bajpai

(Dr. M. Bajpai)

Part B-Content of the Course		
Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week): **L-T-P:**		
Unit	**Topics**	**No. of Lectures**
I	**1 Introductory description of tribes :**	18
	1.1 Tribe and schedule tribe : meaning, definition and characteristics 1.2 Difference between tribe and scheduled tribe 1.3 Tribal demography and classification • Geographical • Linguistic • Economic • Racial	
Keywords : Tribe and Scheduled Tribe, Tribal Classification.		
II	**1. Tribal society : Socio-cultural Vista**	18
	1.1 Tribal family 1.2 Tribal marriage 1.3 Tribal kinship system 1.4 Changing profile of tribal women	
Keywords : Tribal family, Tribal marriage, Tribal kinship, Changing profile of tribal women.		
III	**1. Tribal Economic and Political Organization :**	18
	1.1 Characteristics of tribal economy 1.2 Forms of tribal economy • Hunting and food gathering • Animal husbandry • Agriculture • Forest produce and Haat Bajar 1.3 Changes in tribal economy and responsible factors. **2.Traditional Tribal Political Organization** 2.1 73rd constitutional Amendment and present tribal political organization.	
Keywords - Tribal economy, Form of economy, Factor for change in economy, Traditional political organization, 73rd Amendment Act.		
IV	Tribal Problems : Factors and Resolution	18
	1. Illiteracy and Unemployment 2. Poverty and Datedness 3. Malnutrition and Health problem 4. Displacement and Migration 5. Major tribal movements 6. Constitutional provisions for Tribal development 7. Welfare program run by Government and their evaluation	
Keywords: Illiteracy and unemployment, Poverty and Datedness Malnutrition, Displacement and migration, Major Tribal movements.		

(Dr. M. Bajpai)

V	**Major Tribes of Madhya Pradesh : Economic, Political and Social Organization**	18
	1. Gond 2. Bheel 3. Bhariya 4. Sahariya 5. Korku 6. Baiga	

Keywords: Major Tribes of Madhya Pradesh, Gond, Bheel, Bharia, Sahariya, Korku, Baiga.

Part C-Learning Resources

Text Books, Reference Books, Other resources

Suggested Readings:

1. शर्मा श्रीनाथ 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
2. अटल, योगेश एवं सिसोदिया, यतीन्द्रसिंह, आदिवासी भारत, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर 2011
3. कांकरिया, प्रेमसिंह, भील क्रांति के प्रणेता मोतीलाल तेजावत, उदयपुर, राजस्थान साहित्य अकादमी, 1985
4. कुमार, अरूण, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण एवं दलित, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
5. प्रो. शुक्ल हीरालाल (1997), अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल 462003
6. डॉ. शुक्ला महेश, खान मोहम्मद (2010) खैरवार जनजाति, सामाजिक,आर्थिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन , अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस 4831/24 प्रहलाद गली, असांरी रोड, दरियागंज नई दिल्ली ' 110002
7. चंद्रदेशखर यू.पी. (1990) "कर्नाटक जिले में पिछड़ी जातियों को सामान्य शैक्षणिक अवसर प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम के उपचयोगों का ज्ञान अध्ययन" शोध प्रबंध , शिक्षा विभाग , मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर
8. लक्कमा, (1990) " सास्कृतिक जनजाति और आधुनिकता से संबंधित अनुसूचित जाति और अनु. जनजाति हाई स्कूल की लड़कियों का तुलनात्मक अध्ययन" एम.फिल, शिक्षा शिक्षा विभाग, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर
9. महाजन धर्मवीर, 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद
10. सिंह अनिल कुमार एवं पाण्डेय आनंद कुमार " म.प्र. की आदिम जनजतीय" विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद
11. डॉ हरिशचंन्द्र उप्रेती, " भारतीय जनजतीय" राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
12. Ferth, Reymond, 1938 "Human Tribes" Tomas national Publication London.
13. Gandhi M.K. 1954 " The Removal of Untouchability" Naveevan Press, Allahabad.
14. Guha, M.K. (ed) "The Tribes of India", Bhartiya Adam Jati Sevek Sangh, New Delhi.
15. Hashain Nadeem 'Tribal India' Department of Anthropology Lucknow Year 2019 New Delhi.

(Dr. M. Bajpai)

Suggestive digital platforms web link
https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/
https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/
https://indiantribalheritage.org/?page_id=7592
shorturl.at/moqS7
WWW. eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:
IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

Part D-Assessment and Evaluation

(CCE) : 30 University Exam (UE) :70
Time : 03.00 Hours

Internal Assessment : Continuous Comprehensive Evaluation(CCE)	Class Test **(Descriptive/Objective Type_)_**		
	Assignment/Presentation/ Group Work/Seminar/ Power Point Presentation		
	Total	**30**	
	Section(A):Objective Type Question Section(B): Short Questions Section(C):Long Questions		
	Total	**70**	

(Dr. M. Bajpai)

भाग अ–परिचय			
कार्यक्रम: उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा: बीए	वर्ष: तृतीय	सत्र: 2023-24

विषय: समाजशास्त्र

1	पाठ्यक्रमका कोड	A3-SOCI2T	
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	भारतीय जनजातियों का समाजशास्त्र	
3	**पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/ इलेक्टिव/ जेनेरिक इलेक्टिव/ वोकेशनल)**	माइनर/इलेक्टिव	
4	पूर्व-अपेक्षा:(यदि कोई हो)	यह एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम है, जिसका चयन बीए तृतीय वर्षके वे सभी विद्यार्थी कर सकते हैं, जिनका समाजशास्त्र मुख्य विषय नहीं है।	
5	पाठ्यक्रम अध्ययनकीपरिलब्धियाँ(सीएलओ)	प्रस्तुत पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को जनजातीय समाज के विभिन्न ज्ञात अज्ञात पहलुओं से अवगत कराएगा- 1. प्रस्तुत पाठ्यक्रम जनजाति एवं अनुसूचित जनजातियों की अवधारणा एवं उनकी जनांकिकी का ज्ञान विद्यार्थियों को प्रदान करेगा। 2. भारतीय जनजातियों की सामाजिक-सांस्कृतिक विशिष्टता, उनकी अर्थव्यवस्था एवं राजनीतिक संगठन को विद्यार्थी समझ सकेगा। 3. जनजातियों की समस्याएं, कारण, संवैधानिक प्रावधान एवं कल्याण कार्यक्रम विद्यार्थियों के अंदर सह-अस्तित्व की भावना का विकास कर उनकी सोच को तार्किक बनाएंगे। 4. प्रस्तुत पाठ्यक्रम विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं साक्षात्कार में सफल होने में विद्यार्थियों की सहायता करेगा। 5. प्रस्तुत पाठ्यक्रम का अध्ययन विद्यार्थियों को शासकीय, अशासकीय एवं स्वैच्छिक संगठनों आदि में रोजगार प्राप्त करने का प्रचुर अवसर उपलब्ध कराएगा।	
6	क्रेडिट मान	06	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक:30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक: 35

भागब: - पाठ्यक्रम की विषय-वस्तु

Total No. of Lectures-Tutorials-Practical (in hours per week):

L-T-P:

इकाई	विषय	No. of Lectures
I	1.जनजातियों का परिचयात्मक विवरण:	18
	1.1 जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति: अर्थ, परिभाषा एवं विशेषताएं	

(Dr. M. Bajpai)

	1.2 जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति में अंतर 1.3 जनजातीय जनांकिकी एवं वर्गीकरण - • भौगोलिक • भाषायी • आर्थिक • प्रजातीय	
सार बिन्दु: जनजाति एवं अनुसूचित जनजाति, जनजातीय वर्गीकरण।		
II	जनजातीय समाज: सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य	18
	1.1 जनजातीय परिवार 1.2 जनजातीय विवाह 1.3 जनजातीय नातेदारी व्यवस्था 1.4 जनजातीय महिलाओं की परिवर्तन शील स्थिति	
सार बिन्दु: जनजातीय परिवार, जनजातीय विवाह, जनजातीय नातेदारी, जनजातीय महिलाओं की परिवर्तनशील स्थिति		
III	**1. जनजातीय आर्थिक एवं राजनीतिक संगठन:**	18
	1.1 जनजातीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं 1.2 जनजातीय अर्थव्यवस्था के स्वरुप • शिकार एवं खाद्य संग्रहण • पशुपालन • कृषि • वनोपज एवं हाट बाजार 1.3 जनजातीय अर्थव्यवस्था में परिवर्तन एवं उत्तरदायी कारक **2. परम्परागत जनजातीय राजनीतिक संगठन** 2.1 73वां संविधान संशोधन अधिनियम एवं वर्तमान जनजातीय राजनीतिक संगठन	
सार बिन्दु: जनजातीय अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था के स्वरुप, अर्थव्यवस्था में परिवर्तन के कारक, परम्परागत राजनीतिक संगठन, 73वां संविधान संशोधन अधिनियम		
IV	**जनजातीय समस्याएं: कारण एवं समाधान**	18
	1. अशिक्षा एवं बेरोजगारी 2. निर्धनता एवं ऋणग्रस्तता 3. कुपोषण एवं स्वास्थ्य संबंधीसमस्याएं 4. विस्थापन एवं प्रवास 5. प्रमुख जनजातीय आंदोलन 6. जनजातीय विकास हेतु संवैधानिक प्रावधान 7. शासन द्वारा संचालित कल्याण कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन	
सार बिन्दु: अशिक्षा, बेरोजगारी, निर्धनता, ऋणग्रस्तता, कुपोषण, विस्थापन एवं प्रवास, जनजातीय आंदोलन.		

Bajpai

(Dr. M. Bajpai)

V	मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां: आर्थिक, राजनीतिक एवं सामाजिक संगठन	18
	1. गोंड 2. भील 3. भारिया 4. सहरिया 5. कोरकू 6. बैगा	

सार बिन्दु: मध्यप्रदेश की प्रमुख जनजातियां, गोंड, भील, भारिया, सहरिया, कोरकू, बैगा

भाग स:- अनुशंषित अध्ययन संसाधन

पाठ्य पुस्तकें/संदर्भ पुस्तकें/अन्य संसाधन

Suggested Readings:

1. शर्मा श्रीनाथ 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
2. अटल, योगेश एवं सिसोदिया, यतीन्द्रसिंह, आदिवासी भारत, रावत पब्लिकेशंस, जयपुर 2011
3. कांकरिया, प्रेमसिंह, भील क्रांति के प्रणेता मोतीलाल तेजावत, उदयपुर, राजस्थान साहित्य अकादमी, 1985
4. कुमार, अरूण, उदारीकरण, भूमण्डलीकरण एवं दलित, रावत पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2009
5. प्रो. शुक्ल हीरालाल (1997), अकादमी रवीन्द्रनाथ ठाकुर मार्ग, भोपाल 462003
6. डॉ. शुक्ला महेश, खान मोहम्मद (2010) खैरवार जनजाति, सामाजिक,आर्थिक एवं सांस्कृतिक अध्ययन , अर्जुन पब्लिशिंग हाऊस 4831/24 प्रहलाद गली, असारी रोड, दरियागंज नई दिल्ली ' 110002
7. चंद्रदेशखर यू.पी. (1990) "कर्नाटक जिले में पिछड़ी जातियों को सामान्य शैक्षणिक अवसर प्राप्त करने के लिए विभिन्न कार्यक्रम के उपचयोगों का ज्ञान अध्ययन" शोध प्रबंध , शिक्षा विभाग , मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर
8. लक्कमा, (1990) " सास्कृतिक जनजाति और आधुनिकता से संबंधित अनुसूचित जाति और अनु. जनजाति हाई स्कूल की लड़कियों का तुलनात्मक अध्ययन" एम.फिल, शिक्षा शिक्षा विभाग, बैंगलोर विश्वविद्यालय, बैंगलोर
9. महाजन धर्मवीर, 'जनतीय समाज का समाजशास्त्र' विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद
10. सिंह अनिल कुमार एवं पाण्डेय आनंद कुमार " म.प्र. की आदिम जनजतीय" विवेक प्रकाशन के .के. पब्लिकेशंस इलाहाबाद
11. डॉ हरिशचंन्द्र उप्रेती, " भारतीय जनजतीय" राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी जयपुर
12. **Ferth, Reymond, 1938 "Human Tribes" Tomas national Publication London.**
13. **Gandhi M.K. 1954 " The Removal of Untouchability" Naveevan Press, Allahabad.**
14. **Guha, M.K. (ed) "The Tribes of India", Bhartiya Adam Jati Sevek Sangh, New Delhi.**
15. **Hashain Nadeem 'Tribal India' Department of Anthropology Lucknow Year 2019 New Delhi.**

Suggestive digital platforms web link

https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/

https://hi.m.wikipedeia.org./wiki/

https://indiantribalheritage.org/?page_id=7592

shorturl.at/moqS7

WWW. eshikash.mp.gov.in

Suggested equivalent online courses:

IGNOU & Other centrally/state operated Universities MOOC platforms such as "SWAYAM" in India and Abroad

भाग द-अनुशंसित मूल्यांकन विधियां:

(Dr. M. Bajpai)

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियां :

अधिकतम अंक : 100

सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30

विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक: 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE):	क्लासटेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	कुलअंक : 30
आकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा : समय- 3.00 घंटे	अनुभाग (अ) : वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु उत्तरीय प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घउत्तरीय प्रश्न	कुलअंक : 70

कोई टिप्पणी/सुझाव :

(Dr. M. Bajpai)

Scanned with OKEN Scanner